वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट मसीहीयों का साझा विश्वास

Mennonite World Conference
A Community of Anabaptist related Churches

Congreso Mundial Menonita
Una Comunidad de Iglesias Anabautistas

Conférence Mennonite Mondiale
Une Communauté d'Eglises Anabaptistes

परमेश्वर के अनुग्रह से, हम यह प्रयास करते है कि यीशु मसीह में मेलमिलाप के सुसमाचार के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करें और इसका प्रचार करें। सब समयों और सब स्थानों में मसीह की एक देह के अंग के रूप में, हम निम्नलिखित बातों को अपने विश्वास व आचरण के केन्द्र के रूप में स्वीकार रकते है।

1 परमेष्वर को हम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के रूप में जानते है, वह सृष्टिकर्ता है जिसका लक्ष्य है कि पतित मानवता को फिर से अपनी संगति में स्थापित करें, और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह एक लोग बुलाता है कि वे संगति, आराधना, सेवा और गवाही में विश्वासयोग्य बने रहें।

2 यीशु ही परमेश्वर का पुत्र है। उसके जीवन, उसकी शिक्षाओं उसके क्रूस और उसके पुनरूत्थान के द्वारा– उसने हमें यह दिखाया है कि हम किस प्रकार से विश्वासयोग्य शिष्य बनें – उसने संसार को छुड़ाया – और अनन्तजीवन का प्रस्ताव देता है।

3 एक कलीसिया के रूप में, हम ऐसे लोगों का एक समूह है जिन्हें परमेश्वर का आत्मा पाप से फिरे जाने, यीशु मसीह का प्रभु के रूप में अंगीकार करने, विश्वास और अंगीकार पर बपतिस्मा लेने, और जीवन में मसीह का अनुसरण करने को बुलाता है।

4 विश्वास के एक समुदाय के रूप में हम बाइबल को ही अपने विश्वास और आचरण का अधिकृत आधार मान कर स्वीकार करते है, आज्ञापालन के लिए परमेश्वर की इच्छा जानने हेतु हम इसकी व्याख्या साथ मिलकर पवित्र आत्मा की अगुवाई में, और यीशु मसीह के प्रकाश में करते है।

5 यीशु मसीह का आत्मा हमें सामर्थ प्रदान करता है कि हम अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में परमेश्वर पर भरोसा रखें ताकि हम मेल करवाने वाले बने जो हिंसा से दूर रहते है, अपने शत्रुओं से प्रेम रखें न्याय के लिए यत्न करें, और अपनी सम्पत्तियों को जरूरत मंदो के साथ बॉटे।

6 हम नियमित रूप से इकट्ठा होते है कि प्रभु की मेज में शामिल हों, और परमेश्वर के वचन को परस्पर जवाबदेही की आत्मा में हो कर सुनें।

7 विश्वास और आचरण की दृष्टि से विश्वव्यापी समुदाय के रूप में हम राष्ट्र, जाति, लिंग और भाषा के ऊपर उठकर रहते है। हमारा प्रयास रहता है कि हम बुराई की शक्तियों से समझौता किए बिना संसार में जीवन व्यतीत करें, दूसरों की सेवा करने के द्वारा परमेश्वर की गवाही दें सृष्टि का ध्यान रखें, और सब लोगों को न्यौता दें कि वे यीशु मसीह को उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में जानें।

उपरोक्त बिन्दुओं को हमने 16वीं शताब्दी के ऐनाबैपटिस्ट पूर्वजों से हमें मिली प्रेरणा के आधार पर तैयार किया है, जिन्होंने यीशु मसीह के प्रति एक ऐसी शिष्यता को रूप दिया था जो आमूल परिवर्तनवादी है। हम यीशु मसीह के नाम से पवित्र आत्मा की सामर्थ से चलने का प्रयत्न करते है, और पूरे भरोसे के साथ मसीह के आगमन और परमेश्वर की राज्य की अन्तिम पूर्णता की बाट जोहते है।

Adopted by Mennonite World Conference, General Council, March 15, 2006